हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 16 मार्च 2026

12 गुजवी को मिल रही अंतरराष्ट्रीय पहचान

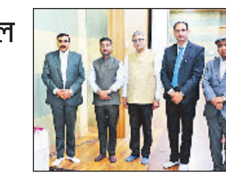

12 'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने ग्रीन बेल्ट में पेड़ों की...

खबर संक्षेप

हांसी। अवैध पिस्तौल व कारतूस के साथ पकड़ा गया आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

अवैध पिस्तौल व तीन जिंदा कारतूस के साथ एक काबू

हांसी। सीआईए पुलिस ने अवैध पिस्तौल व तीन कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान प्रेम नगर निवासी अमित कुमार के रूप में हुई है। मुख्य एएसआई रवि कुमार ने बताया कि गश्त व क्राइम जांच पड़ताल के दौरान हिसार चुंगी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान प्रेम नगर गांव निवासी अमित के पास अवैध हथियार की सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची और युवक को रोक कर उसकी तलाशी ली तो आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल बरामद हुआ। पिस्तौल को खोलकर चेक करने पर उसकी मैगजीन से 3 जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस पर आरोपी अमित के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

टावर से कॉपर केबल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

बरवाला। पुलिस ने मोबाइल टावर से कॉपर केबल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुलखनी निवासी विक्रम उर्फ लालू के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार इस संबंध में आरएस सिक्योरिटी कंपनी में कार्यरत सिक्योरिटी सुपरवाइजर संदीप कुमार की शिकायत पर सुलखनी गांव स्थित मोबाइल टावर से कॉपर केबल चोरी होने के संबंध में केस दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि टावर से करीब 40 मीटर कॉपर केबल तथा डबल कोर कॉपर आरआरयू केबल के 45-45 मीटर (कुल 90 मीटर) के दो पीस चोरी हुए हैं। इसी मामले में पुलिस ने आरोपी को काबू किया है। पुलिस पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी पर हांसी साइबर थाना में भी धोखाधड़ी का केस दर्ज है, जिसकी जांच जारी है आरोपी को अदालत में पेश किया गया।

जिले में अधिकतम तापमान 28.5 व न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री दर्ज, कुछ गर्मी के बाद देर सायं फिर होने लगी ठंडक महसूस

बूंदाबांदी से मौसम खुशगवार, बढ़ते तापमान पर ब्रेक

राज्य के कई क्षेत्रों में हुई ओलावृष्टि की वजह से भी मौसम में ठंडापन रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जिले में रविवार तड़के हुई हल्की बूंदाबांदी ने मौसम खुशगवार बना दिया। इससे तापमान में गिरावट आई और दिन में कुछ गर्मी के बाद देर सायं फिर ठंडक महसूस की गई। राज्य के कई क्षेत्रों में हुई ओलावृष्टि की वजह से भी मौसम में ठंडापन रहा।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रविवार तड़के लगभग 4.10 बजे अचानक मौसम बदला और बादलों की गर्जना के साथ तेज बूंदाबांदी शुरू हो गई। हालांकि यह बूंदाबांदी ज्यादा देर नहीं चली लेकिन इनका वेग तेज होने की वजह से कुछ ही देर में मौसम में ठंडक घुल गई। सुबह लगभग साढ़े 1. बजे तक इस बूंदाबांदी का प्रभाव रहा और मौसम ठंडा रहा लेकिन इसके बाद सूर्य देव फिर तपने लगे। दोपहर बाद मौसम एक बार फिर बदला और बरसात की संभावना दिखाई देने लगी।

प्रदेश के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बरसात हुई है। कुछ क्षेत्रों में हल्की ओलावृष्टि भी हुई है। इसके प्रभाव से लगातार बढ़ रहे तापमान में गिरावट आई है। माना जा रहा है कि मौसम में हुए इस परिवर्तन के बाद तापमान एक बार फिर नीचे आएगा। रविवार को देर सायं तक भी मौसम परिवर्तन व बरसात की संभावना वाला बना रहा।

बदलते मौसम के दृष्टिगत वैज्ञानिकों ने किया गेहूं का अवलोकन

हिसार। अखिल भारतीय समन्वित वैज्ञानिकों की टीम हकृवि में गेहूं के प्रशिक्षणों का अवलोकन करते हुए।

कैसा रहेगा प्रदेश का मौसम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ का कहना है कि अभी मौसम परिवर्तनशील रहेगा और हवाएं भी चलेगी। उन्होंने बताया कि राज्य के चरखी दादरी, भिवानी, झज्जर, रोहतक, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, पंचकूला, यमुनानगर, रेवाड़ी और गुरुग्राम सहित लगभग पूरे प्रदेश में अगले दो-तीन दिनों तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। रविवार को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं चल रही हैं। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सिंचाई और कीटनाशकों के छिड़काव से भी बचने की सलाह दी है।

यह रहा हिसार का तापमान

बदले मौसम व हल्की बूंदाबांदी की वजह से जिले के बढ़ते तापमान पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। रविवार को जिला हिसार का अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया गेहूं का अवलोकन

एचएयू के वरिष्ठ गेहूं वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई ने बताया कि अखिल भारतीय समन्वित वैज्ञानिकों की टीम ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गेहूं के प्रशिक्षणों का अवलोकन करके जायजा भी लिया है। वैज्ञानिक टीम में ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के डॉ. वीएस सोहूं के नेतृत्व में यह अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि अब बदलते मौसम से अगर हल्की बारिश या बूंदाबांदी होती और हवा तेज ना चलती हो तो ऐसी हल्की बारिश गेहूं, खासकर पछेती गेहूं के लिए बहुत फायदेमंद है। फिलहाल तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था जो दाने भरते समय पछेती गेहूं के पैदावार पर बुरा असर डालता है। उन्होंने बताया कि यदि तेज हवा न चले और ओलावृष्टि ना हो यह गेहूं के लिए फायदेमंद हो सकती है। किसानों को सलाह दी है कि आने वाले दिनों में मार्च के दूसरे पखवाड़े में मौसम परिस्थितियों को ध्यान रखते हुए अपने कृषि कार्य करें।

तीन-चार दिन पश्चिमी मौसम प्रणालियां होंगी सक्रिय

राजकीय महाविद्यालय नारनौल के पर्यावरण क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रमोहन का कहना है कि मार्च महीने के अंतिम दिनों और अप्रैल महीने के पहले सप्ताह के दौरान लगातार तीन-चार सक्रिय पश्चिमी मौसम प्रणालियां सक्रिय होने की संभावना बन रही है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि आने वाले दिनों में मार्च के दूसरे पखवाड़े में मौसम परिस्थितियों को ध्यान रखते हुए अपने कृषि कार्य करें। जिन किसानों ने अपनी कृषि फसलें कटाई कर ली है, उनको संरक्षित करें और वेयरहाउस में रखें या तिरपाल से ढक कर रखें।

अतिरिक्त भंडारण व्यवस्था पर की चर्चा

हिसार। अधिकारियों से चर्चा करते उपायुक्त महेन्द्र पाल।

!!!!

- मौसम विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल परिवर्तनशील रहेगा मौसम
- हैफेड, डीएफएसी, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन, कृषि विपणन बोर्ड तथा एफसीआई के अधिकारियों की ली बैठक
- बरवाला में अतिरिक्त भंडारण व्यवस्था को लेकर अभी बातचीत चल रही

रबी फसल खरीद सीजन प्रबंधों के बारे में उपायुक्त ने अधिकारियों से ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

रबी सीजन की फसल खरीद प्रबंधों बारे उपायुक्त महेंद्र पाल ने रविवार को खरीद एजेंसियों के अधिकारियों की बैठक लेकर मंडियों में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में हैफेड, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (एचएसडब्ल्यूसी), हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड तथा भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के अधिकारियों से भंडारण सहित अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली गई। बैठक के दौरान उपायुक्त को अवगत करवाया गया कि शुरुआती बैठक में उनके द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप लगभग सभी स्थानों पर भंडारण के अतिरिक्त प्रबंध कर लिए गए हैं। बरवाला में अतिरिक्त भंडारण व्यवस्था को लेकर अभी बातचीत चल रही है और वहां भी जल्द ही व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाएगी। रबी सीजन की फसल खरीद प्रबंधों बारे उपायुक्त महेंद्र पाल ने रविवार को खरीद एजेंसियों के अधिकारियों की बैठक लेकर मंडियों में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की उपायुक्त महेंद्र पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-खरीद पोर्टल के माध्यम से गेट पास, बारदाना उपलब्धता और फसल तुलाई की व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। इसके साथ ही मंडियों में किसानों के लिए पीने के पानी, शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाएं भी दुरुस्त रखी जाएं, ताकि फसल लेकर आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अधिकारियों ने बताया फसल खरीद, उठान और किसानों को भुगतान की प्रक्रिया की गई सुचारु

अधिकारियों ने बताया कि फसल खरीद, उठान और किसानों को भुगतान की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए व्यापक कार्य योजना के तहत तैयारियां की गई हैं। खरीद एजेंसियों के अधिकारियों ने उपायुक्त को भरोसा दिलाया कि रबी फसलों की खरीद के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। यदि किसी स्थान पर किसी प्रकार की स्थिति बनती है तो उसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी पहले से की जा रही हैं।

ग्रिल तोड़कर मकान से हजारों की चोरी

- परिवार ने जताई कैमिकल छिड़कने की आशंका, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

नारनौंद। चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान व तोड़ी गई ग्रिल।

क्षेत्र के गांव भैणी अमीरपुर में बीती रात चोरों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया। चोर मकान से 40 हजार की नकदी व गहने चुरा ले गए। घटना के समय पीड़ित परिवार घर के दूसरे कमरे में सो रहा था। पीड़ित परिवार ने आशंका जताई है कि चोरों ने कोई केमिकल छिड़का होगा, जिससे उन्हें चोरों के बारे में भनक नहीं लगी। भैणी अमीरपुर निवासी नरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका घर पुराने बालाजी भट्ठा के पास खेतों में है। अज्ञात चोर उनके घर के एक कमरे की खिड़की की ग्रिल और जाली तोड़कर अंदर घुस गए। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी को खंगालकर करीब 40 हजार रुपए कैश और लगभग 25 से 30 हजार रुपए मूल्य के चांदी के गहने चुरा लिए। चोरी हुए गहनों में एक जोड़ी चांदी के छलकड़े, दो जोड़ी पाजेब और एक चांदी की चेन शामिल है। नरेंद्र के अनुसार, जिस कमरे में चोरी हुई, उसके ठीक बगल वाले कमरे में उनका पूरा परिवार सो रहा था। चोरों ने खिड़की की ग्रिल निकाली। ग्रिल निकालने के दौरान परिवार को कोई आवाज सुनाई नहीं दी। उन्होंने संदेह जताया है कि चोरों

सस्ती चीनी दिलाने का झांसा देकर 3.87 लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

साइबर थाना पुलिस ने सस्ती चीनी उपलब्ध करवाने के नाम पर करीब 3.87 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के हरदोई जिला निवासी अचल के रूप में हुई है। साइबर थाना पुलिस ने आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

एएसआई सज्जन कुमार ने बताया कि कुछ दिन पूर्व हांसी निवासी रोहित ने साइबर थाना में शिकायत दी कि उसके पिताजी ने अपने मोबाइल फोन पर सोशल मीडिया पर सस्ती चीनी खरीदने का एक विज्ञापन देखा। इसके कुछ समय बाद उनके व्हाट्सएप नंबर पर चीनी को लेकर संदेश आने शुरू हो गए। संदेशों में दिए गए मोबाइल नंबरों में से एक नंबर पर कॉल करने पर कॉल उठाने वाले व्यक्ति ने स्वयं को शुगर मिल का एजेंट बताया। इसके बाद व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से चीनी खरीदने के संबंध में बातचीत होती रही। आरोपी ने सस्ती चीनी दिलवाने का लालच देकर पहले कुछ राशि एडवांस भेजने तथा शेष राशि का भुगतान चीनी डिलीवरी मिलने के बाद करने के लिए कहा। रोहित ने बताया कि वे उनके झांसे में आ गए और उनके कहे अनुसार अलग-अलग किस्तों में तीन लाख 86 हजार 900 रुपये आरोपी के खाते में भेज दिए लेकिन बताए गए समय के बाद भी चीनी नहीं पहुंची तो उन्हें शक हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। इसके बाद थाना साइबर हांसी में शिकायत दी गई।

हांसी : सस्ती चीनी उपलब्ध करवाने का झांसा देकर ठगी करने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

केस दर्ज करके जांच शुरू

जांच अधिकारी ने बताया कि रोहित की शिकायत पर केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। जांच के दौरान साक्ष्यों व बैंक खातों की डिटेल के आधार पर आरोपी अचल्ल को दिल्ली से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान गहन पूछताछ कर अन्य संलिप्त आरोपियों के बारे में जानकारी हासिल करने तथा ठगी की राशि की बरामदगी के प्रयास किए जाएंगे।

कंटीले तार चोरी में महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सदर पुलिस ने दिल्ली-बठिंडा नेशनल हाईवे-9 से कंटीले तार चोरी करने के मामले में एक महिला को काबू किया है। पुलिस ने महिला के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में वन विभाग के अधिकारी अरुण कुमार ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। वन विभाग की शिकायत के अनुसार दिल्ली-बठिंडा नेशनल हाईवे-9 पर किलोमीटर 170 से 180 के बीच अलग-अलग स्थानों से कंटीले तार चोरी किए गए। आरोपियों ने सड़क किनारे लगे तारों को काटकर करीब 20 क्विंटल तार निकाल लिए। इसमें किलोमीटर 170 से 175 के बीच करीब 15 क्विंटल और 175 से 180 के बीच लगभग 5 क्विंटल तार चोरी किए गए। चोरी किए गए तारों की कुल कीमत करीब 2 लाख 71 हजार 700 रुपए आंकी गई है। वन विभाग की टीम को सूचना मिलने पर सातरोड कैंट के पास एक महिला को मौके से पकड़ लिया।

सरकार व बीमा कंपनियां कमा रही मुनाफा, किसान परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व मंत्री संपत सिंह।

इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीयो) के क्रियान्वयन की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सरकार और निजी बीमा कंपनियां तो भारी मुनाफा कमा रही हैं, जबकि किसान को फसल नुकसान का भारी संकट भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसान को जब भी थोड़ा बहुत मिलता है तो भुगतान में किसान को भारी संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में वर्ष 2023 से 2025 के बीच बीमा कंपनियों ने कुल 2,827.02 करोड़ रुपये प्राप्त किए लेकिन पीड़ति किसानों को केवल 731 करोड़ रुपये के दावे का भुगतान किया गया। निजी बीमा कंपनियों ने किसान और सरकार से मिलने वाली बीमा राशियों में लूट मचा रखी है। उन्होंने इस लूट को उजागर करते हुए कहा कि केवल वित्त वर्ष 2025 में ही बीमा कंपनियों ने 1,003.68 करोड़ रुपये का प्रीमियम इकट्ठा किया, जबकि दावों के रूप में केवल 95 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

बेटी के जन्म के बाद महिला की प्रताड़ना दहेज में मांगा सोने का कड़ा व नकदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

क्षेत्र में बेटी के जन्म के बाद दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और गला घोंटकर मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर पति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खेदड़ गांव निवासी किरण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 15 जुलाई 2021 को जींद जिले के पेगा गांव के राकेश के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। शादी में उसके माता-पिता ने करीब 10 लाख रुपए खर्च किए थे और दहेज भी दिया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान करने लगे। पति बाइक की मांग करता था, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों ने सोने की अंगूठी, सोने का कड़ा और दो लाख रुपए नकद की मांग रखी।

महंगाई व गैस की किल्लत से जनता परेशान, सरकार तुरंत दे राहत : बृज

- आदमपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आदमपुर

हिसार। सिलेंडर रखकर प्रदर्शन करते कांग्रेस जिला अध्यक्ष व अन्य।

देश और प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई, रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी व गैस की किल्लत के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में आदमपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत गोयल पंप के निकट बाइपास आदमपुर, शिव कॉलोनी स्थित हीरालाल सेंट्रिंग स्टोर हॉल के पास आयोजित बैठक से हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृज लाल बहबलपुरिया ने की। बैठक के पश्चात कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बृज लाल बहबलपुरिया ने कहा कि आज देश में महंगाई बेलगाम हो चुकी है और आम आदमी का जीवन मुश्किल होता जा रहा है। रसोई गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों ने गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

हकृवि ने भेरियां गांव में की सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा पर चर्चा

मोबाइल फोन का सीमित एवं सही उपयोग ही लाभकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

फोटो 15 एचएसआर 3 : कार्यक्रम को संबोधित करती हुई डॉ. वर्षा सैनी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग के अंतर्गत गृह विज्ञान की छात्राओं ने भेरियां गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. अतुल ढींगड़ा के मार्गदर्शन व सहायक वैज्ञानिक डॉ. वर्षा सैनी के पर्यवेक्षण में किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण के महत्व, मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव तथा बच्चों के समुचित विकास में परिवार की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर पोस्टर, गायन तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रियंका पंघाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आशा वर्कर और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

सकारात्मक पारिवारिक वातावरण अत्यंत आवश्यक

डॉ. वर्षा सैनी ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए संतुलित आहार, नियमित टीकाकरण तथा सकारात्मक पारिवारिक वातावरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं को बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन का सीमित एवं सही उपयोग लाभकारी है, लेकिन इसके अत्यधिक प्रयोग से बच्चों में लत लग सकती है, जिससे उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए बच्चों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से दूर रखते हुए खेलकूद, पुस्तकों के अध्ययन तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रोत्साहित करना चाहिए।

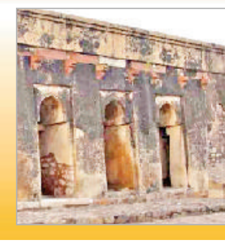

गुजरी महल

अबीर– हरियाणा में कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं। हरियाणा की ऐतिहासिक जगहें सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में फेमस है। हिसार में मौजूद गुजरी महल एक प्राचीन और प्रमुख ऐतिहासिक जगह है। इस महल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था। बता दें कि ताजमहल की तरह ही ये भी प्रेम की निशानी है। दरअसल, फिरोजशाह तुगलक ने अपनी प्रेमिका गुजरी के लिए इस महल का निर्माण करवाया था। इस महल के अंदर दीवान–ए–आम और बरदारी भवन भी प्रसिद्ध हैं।

लोक संस्कृति के प्रहरी थे महाशय पालेराम

महाशय पालेराम की यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी।

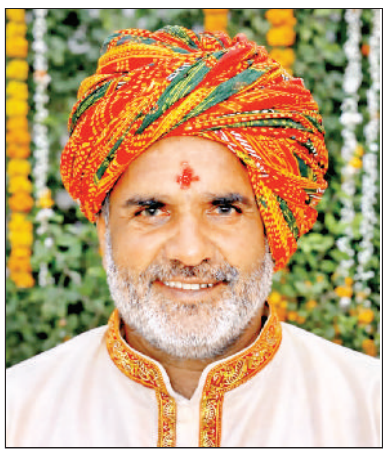

कलाकार

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की धरती सदैव से वीरों, संतों और लोककलाकारों की जन्मभूमि रही है। इस मिट्टी की खुशबू में जहां शौर्य की गाथाएं रची-बसी हैं, वहीं लोकगीतों की मधुर धुनें भी इसकी आत्मा को जीवंत बनाए रखती हैं। इसी समृद्ध लोकपरंपरा के एक उज्ज्वल नक्षत्र थे महाशय पालेराम। महाशय पालेराम का जन्म 15 मार्च 1954 को हरियाणा के सोनीपत जिले के ऐतिहासिक गांव हलालपुर में एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम चंदराम और माता का नाम किशनी देवी था।

उनका मूल नाम धर्मपाल था, परंतु स्नेहवश लोग उन्हें 'पाले' कहकर पुकारते थे। कालांतर में यही नाम उनकी पहचान बन गया। बचपन से ही उनके मन में संगीत के प्रति गहरी ललक थी। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े पालेराम के जीवन में लोकगीतों, भजनों और रागनियों का वातावरण स्वाभाविक रूप से मौजूद था। गांव की चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में गूंजने वाले भजनों और रागनियों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। संगीत के प्रति विशेष अभिरुचि के कारण उनका मन पढ़ाई में कम ही लगता था, इसलिए उन्होंने आठवीं कक्षा में ही स्कूल छोड़ दिया। पढ़ाई छोड़ने के उपरांत उन्होंने अपने पिता के कार्यों में हाथ बंटाना आरम्भ कर दिया। उन दिनों हलालपुर में जाने-माने गायक बलबीर सिंह के बहुत कार्यक्रम होते थे। जब भी बलबीर सिंह का उनके गांव में आगमन होता, बालक पालेराम का अधिकांश समय उन्हीं के साथ व्यतीत होता। बालक पालेराम के संगीत प्रेम को देखकर बलबीर सिंह ने उन्हें अपना शिष्य बना लिया। इसके बाद पालेराम ने काफी समय तक अपने गुरु के प्रति श्रद्धावनत हो पूर्ण समर्पण के साथ शिक्षा ग्रहण की और संगीत की गहराइयों को आत्मसात किया।

उनका ध्येय मात्र एक लोकगायक बनना नहीं, वरन् एक लोकसाधक बनना था, जिसे कालांतर में उन्होंने बखूबी सिद्ध किया। तदुपरान्त पालेराम ने सन् 1973 में अपनी मंडली बनाकर गायन की शुरुआत की। उनकी गायकी में हरियाणवी बोली की मिठास, लोकजीवन की सादगी और भावनाओं की गहराई स्पष्ट झलकती थी। वे सामाजिक विषयों को भी अपने गीतों में प्रमुखता से स्थान देते थे। उनके गीतों में नैतिकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों का संदेश विद्यमान होता था। इन विशेषताओं के साथ-साथ उनकी हास्य कला अद्भुत थी। इसी कारण वे शीघ्र ही हरियाणा के मूर्धन्य लोक गायकों की श्रेणी में शामिल हो गए। उनके मंच पर आते ही श्रोताओं के चेहरे खिल उठते थे। जब वे रागनी गाते थे, तो श्रोता मंत्रमुग्ध होकर आनंद से झूमने लगते थे। उनकी यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी। उनके पास गायन की सम्मोहक शैली का नायाब जादू था।

उनकी डोल्ली और उनके अंगों की विशिष्ट थिरकन के लोग दीवाने थे। यही कारण है कि उनकी कला ने न केवल जनमानस का मनोरंजन किया, बल्कि लोक संस्कृति को भी समृद्ध किया। धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता हरियाणा की सीमाओं को लांघकर पड़ोसी राज्यों तक फैलने लगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के अनेक स्थानों पर अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जहां भी वे गाते, वहां जनसैलाब उमड़ पड़ता था। उनकी गायकी में लोकसंस्कृति की शुद्धता और गरिमा स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती थी। वे हमेशा शुद्ध हरियाणवी रागनियां गाते थे और कभी भी फूहड़ या अश्लील गीतों का सहारा नहीं लेते थे। उनका मानना था कि लोकसंगीत समाज का दर्पण होता है और इसे मर्यादित रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। वे अक्सर कहा करते थे कि ऐसे गीत गाने चाहिए जिन्हें पूरा परिवार एक साथ बैठकर सुन सके। इसी कारण उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अश्लील गीत नहीं गाए और इस प्रवृत्ति का खुलकर विरोध भी किया। उनके अनुसार कलाकार का कर्तव्य केवल तालियां बटोरना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी होता है। हरियाणवी रागनी गायन की परंपरा के उस स्वर्णिम काल में अनेक सिद्धहस्त कलाकार अपनी कला का परचम लहरा रहे थे। राजकिशन अगवानपुरिया, मास्टर सतबीर भैंसवालिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया तथा रणबीर बडवसनिया जैसे अनेक प्रतिष्ठित नाम उस समय रागनी मंच को आलोकित कर रहे थे। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के मध्य महाशय पालेराम दहिया ने भी अपने असाधारण गायन कौशल और सशक्त प्रस्तुति के बल पर विशिष्ट पहचान स्थापित की। इन सभी ख्याति प्राप्त फनकारों के साथ उनके अनेक रंगकाट मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने कई बार अपनी कला की विजय पताका फहराते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। यद्यपि उनके मुकाबले लगभग प्रत्येक कलाकार के साथ अत्यंत सफल और लोकप्रिय होते थे, तथापि मास्टर सतबीर भैंसवालिया के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से दर्शकों के हृदय में बस गई थी। यह अद्वितीय संगति लगभग चार दशकों तक निरंतर मंचों पर अपना जलवा दिखाकर श्रोताओं को रोमांचित करती रही। वह समय ऐसा था, जब उनके प्रशंसकों के बीच इस जोड़ी की लोकप्रियता चरमोत्कर्ष पर थी। ग्रामीण अंचलों में लोग अपने बच्चों के विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अनिवार्य मानते थे। इतना ही नहीं, यदि नियत तिथि पर यह युगल उपलब्ध न हो पाता, तो अनेक परिवार अपने बच्चों के विवाह की तिथि तक परिवर्तित कर देते थे, ताकि इन दोनों महान लोकगायकों की सुरमयी प्रस्तुति उनके उत्सव को गौरवान्वित कर सके। महाशय पालेराम के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि उन्होंने कभी धन को अपनी प्राथमिकता नहीं बनाया। जो भी मान-सम्मान और पारिश्रमिक उन्हें मिलता, उसे वे सहज भाव से स्वीकार कर लेते थे। उनका मानना था कि "कला को बेचा नहीं जाता, कला का प्रचार किया जाता है।" इस विचारधारा के कारण वे लोकसंगीत के क्षेत्र में एक आदर्श कलाकार के रूप में देखे जाते थे। उन्होंने अपने कार्यक्रमों के माध्यम से अनेक मंदिरों, चौपालों और गोशालाओं के निर्माण के लिए चंदा एकत्रित करवाया।

लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी।

उनके प्रयासों से कई सामाजिक और धार्मिक कार्यों को बल मिला। वे मानते थे कि कलाकार का दायित्व केवल मंच तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसे समाज के कल्याण में भी योगदान देना चाहिए। उनके अनुसार हरियाणा लोकगायन परंपरा केवल एक कला नहीं, बल्कि सामाजिक परिष्कार का माध्यम है। महाशय पालेराम ने इस परंपरा को जीवित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गांव-गांव जाकर कार्यक्रम करते थे और लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ते थे। महाशय पालेराम ने लोक गायकी के माध्यम से न केवल मनोरंजन किया बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक संदेशों को भी जन-जन तक पहुंचाया। उनके द्वारा गाई गई अनेक रागनियां जैसे- हे मानव शुभ कर्म कर्या कर, तेरी काशीजी का रूल, गंगाजी तेरे खेत मैं, तेरी महारानी कै बेटा होग्या, बादल झुकरे बिज्जल पाटैं, साधु सैं घरबारी कोन्या, गिण कै दे लिए बोल, सिर मैं भड़क आंख मैं पाणी, सारी नगरी हे मां मेरी सो रही री- उस दौर की भांति आज भी हरियाणवी लोक संगीत प्रेमियों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं। उन्होंने आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से भी हरियाणा की लोककला को व्यापक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनके गाए गीतों के दौर ने हरियाणवी संगीत के प्रसार को एक नई दिशा और गति प्रदान की थी।

उन्होंने एक लोकगायक के रूप में 15,000 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी। लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी। इस पुरस्कार ने उनके योगदान को और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान की। "हंसना-हंसाना ही जीवन है" फलसफे के पैरोकार महाशय पालेराम 24 मई 2023 को सदा के लिए हरिचरणों में लीन हो गए। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का अवसान नहीं था, बल्कि एक युग का अंत था। उनके साथ हरियाणवी लोकगायकी की एक सशक्त आवाज मौन हो गई। किंतु आज भी हरियाणा सहित उत्तर भारत के अनेक राज्यों के गांवों की चौपालों, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों में जब उनके भजन-रागनियों का उल्लेख होता है, तो लोग श्रद्धा और गर्व के साथ उनका नाम लेते हैं। उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन शैली श्रोताओं के दिलों में आज भी जीवित है। उनके भजन-रागनी सदैव लोगों की स्मृतियों में रचे-बसे रहेंगे।

लोकप्रियता अक्सर कलाकार को अहंकार की ओर ले जाती है, लेकिन पालेराम का व्यक्तित्व इससे परे था। वे सरल, विनम्र और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी वाणी में मधुरता थी और व्यवहार में अपनापन। उनके सुर, उनकी शैली, उनकी सादगी और उनका व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने हरियाणा की लोकसंस्कृति को जो ऊंचाई दी, वह सदैव इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वर्तमान में महाशय पालेराम की इस गौरवशाली एवं समृद्ध सांगीतिक परंपरा को उनके शिष्य नरेन्द्र खरकरामजी, राजेश हाथी, अमित रोहणा, मनदीप मलिक लाख, महेंद्र छारा, धर्मबीर लोवा और सुनील कुमार हलालपुर आदि पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। वे अपने पूज्य गुरुजी की सादगी, सुरों की मधुरता और लोकसंस्कृति के प्रति समर्पित भाव को आत्मसात करते हुए रागनी गायन की उस अमूल्य धरोहर को निरंतर जीवंत बनाए हुए हैं। इस प्रकार वे न केवल अपने गुरुजी की स्मृतियों को सजीव रखे हुए हैं, बल्कि हरियाणवी लोकसंगीत की उस प्रतिष्ठित परंपरा को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

व्यंग्य | पूजा गुप्ता

तड़के का फड़का

आजकल बड़ा ट्रेंड चला है इंस्टाग्राम और यूट्यूब में। फलाने -ढिकाने के चैनल चल पड़े हैं। 'बिना तेल-मसाले के कैसे पकौड़े बनायें', 'सिर्फ दो चीजों से कैसे टेस्टी नाश्ता बनायें' वगैरह-वगैरह। लहसुन के दाम में सुरसा सी महंगाई, इनके बिना भोजन जैसे 'भैरो बाबा का भंडारा।' दावे भी अजब-गजब हैं इन चैनल वालियों के। एक आंटी अपने एक वीडियो में दावा कर रही थी कि 'बिना बेले पूड़िया कैसे तलें!' ये सुनकर दिमाग चकरा गया।

एक दीदी तो एक ग्लास दूध से आधा किलो बर्फी बनाने की बात कर रही थी। मतलब मिठाइयों की दुनिया में इससे बड़ी क्रांति हो ही नहीं सकती थी। एक वीडियो वाली दीदी ने तो हद ही कर दी। 'बिना पनीर के कैसे पनीर की सब्जी बनायें।' मतलब इस दीदी के आगे पीसी सरकार भी फेल। मैंने भी दीदी को पदवी दे ही डाली, 'रसोई के रंग, मंथरा दीदी के संग।' एक दिन एक अनजान नंबर से फोन आया कि कृपया लाइक और सब्सक्राइब करें हमारा फूड चैनल.. ! 'स्वादलोलुप कक्की का चौका।'

उसके तुरन्त बाद उसी नंबर से फोन आया तो पता चला कि गांव की 'गप्पी काकी' ने यह चैनल बनाया है। ये वही 'गप्पी काकी' हैं जिनके गप्पे के चलते सास उन्हें सिखाते-सिखाते परलोक सिधार गयीं लेकिन रोटी गोल बेलना नहीं सिखा पायीं। इससे बढ़िया तो घर के तड़के की बात अलग है। जो एक बूंद सरसों के तेल में साबूत लाल मिर्च जलाती है अम्मा, और खंसवा-खंसवा कर हमारी अंतड़ियां मुंह के रास्ते निकलवा देती है। उसके अलौकिक तड़के के सामने सब कुछ फेल ही है। सब कुछ देखने-सुनने के बाद यही निष्कर्ष निकला कि सचमुच 'टीवी वाली दीदी, आंटी की थाली से बेहतर अपनी 'अम्मा की गाली और थाली' ही बेहतर है।

कविता | मनजीत सिंह

अपणा कर्म अपणे आगे

जैसी करणी वैसी भरनी, ये जग का साचा फेरा,
आज बोया सै जो तू, कल काटेगा वो ढेरा,
झूठ की चादर ओढ़ ले चाहे, साच रहै ना हारा,
समय आवे जब हिसाब का, खुल ज्या सारा पसारा।

जीते जी जो बूंद ना दे, प्यासे नै इक घूंट,
मरणे पाछे भोग धरावै, करै दिखावे लूट,
मां-बाप नै तज कै बैठा, जग मैं बनै सयाणा,
ओही बालक कल देखिये, तेरै तै मुँह फेर जाणा।

सगे-संबंधी हाल ना पूछें, जब तक साँस चलै,
दुख की घड़ी मैं दूर खड़े, ना कोई पास मिलै,
मरणे पाछे रोवण लागें, करैं आँसू का नाटक,
मन मैं रत्ती भर दुख ना, बस दिखावे का झटका।

गाँव-गली मैं नाम कमावै, ऊँची-ऊँची बात,
भीतर सै खोखला होवै, झूठी उसकी जात,
कीकर बो कै आम की आस, कैसी ये अंधियाणी,
जैसी धरती वैसा फल दे, ये प्रकृति की कहानी।

कहै मन का साचा दरपन, कर्मां तै मत भाग,
आज नहीं तो काल सही, मिले कर्म का भाग,
तेर-मेर का झगड़ा छोड़ दे, सबका लेखा-जोखा,
ऊपर बैठा देख रह्या सै, ना कोई उसका धोखा।

हर घर की अजब कहानी, हर जीव का अलग फेरा,
पर न्याय की डोरी मजबूत सै, मनजीत ना टूटे ये घेरा,
जैसी करणी वैसी भरनी, मान ले बात सयाणी,
कर्म बिना ना छूटे कोई, यही सै सच्ची बाणी।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

शासन | **15 अगस्त 1857 को भीषण युद्ध में कई क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए, अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए**

खरखौदा में भी लड़ा गया था अंग्रेजों से रक्त रंजित युद्ध

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान हरियाणा क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय युद्ध लड़े गए थे। जैसे सिरसा जिले के ओढा कस्बा और वैरिका गांव, हिसार में मंगाली गांव और बल्ला गांव में, रोहतक, नारनौल व मेवात क्षेत्र में युद्ध लड़े गए।

उसी अवधि में सोनीपत के कस्बे खरखौदा में भी 15 अगस्त 1857 को एक रक्त रंजित युद्ध हुआ था। यह पंजाब कवैलरी नामक बटालियन के बागी रिसलदार बिसारत अली के नेतृत्व में लड़ा गया था। संग्राम के दौरान अंग्रेजों की विशाल सेना दिल्ली की रिज पर डेरा डाले हुए थी। अंग्रेज सेना दिल्ली पर फिर से अधिकार प्राप्त करने के लिए चार मास तक प्रयास करती रही थी। उस मुख्य अंग्रेज सेना को हरियाणा की तरफ से पीछे से आक्रमण होने का खतरा बना रहा था, जिसके लिए अंग्रेज बार-बार दिल्ली को रिज से सैनिक टुकडी भेजकर सेनानियों पर आक्रमण करते थे। उसी क्रम में दिल्ली रिज पर स्थित अंग्रेजों ने खरखौदा में एक सेना भेजी थी। दरअसल, उनको समाचार मिला था कि प्रथम पंजाब कवैलरी के बहुत से बागी घुड़सवार खरखौदा में इकट्ठे हो चुके हैं। तब अंग्रेजों ने दिल्ली से विलियम हड़सन के नेतृत्व में एक उपयुक्त सेना 14 अगस्त 1857 को भेजी। अंग्रेजों द्वारा उस संकलित सेना में 25 सैनिक जीन्द राजा के थे। सेनानियों ने भी उपयुक्त तैयारी कर ली थी, जिनका नेतृत्व बिसारत अली नामक रांघड़ कर रहा था। उसने आसपास के क्षेत्र हसनगढ़ आदि के सहजातीय रांघड़ युवाओं को संगठित कर लिया था। इसी क्रम में रोहतक के किले में बाबर खां रांघड़ के नेतृत्व में सेनानियों की एक सेना इकट्ठी हो गई थी। हालांकि, सभी के संगठित होकर दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना पर पीछे से आक्रमण करने की उनकी योजना क्रियान्वित होने से पहले ही अंग्रेजों ने खरखौदा में अपनी सेना भेज दी। इस प्रकार बिसारत अली की सेना व हडसन अंग्रेज की सेना के मध्य 15 अगस्त 1857 को एक भीषण युद्ध हुआ। इसमें बिसारत अली सहित अनेक क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए तथा अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए। हडसन अंग्रेज को विजयश्री मिली तथा 16 अगस्त को उसकी सेना रोहतक की ओर कूच कर गई। खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था। उसके बाद दो विक्टेरिया क्रॉस नारनौल की सराय में लड़े गए युद्ध में दिए गए थे। इसको कुछ लेखकों ने केवल नसीबपुर का युद्ध लिखा है, जबकि वास्तव में वह युद्ध हुस्ना वाला बाग नारनौल शहर व सराय बालमुकुन्द के अहाते में भी लड़ा गया था। सराय के समीप ही अंग्रेज कमान्डर जेरारड की गोली लगने से मृत्यु हुई थी। खरखौदा युद्ध के बाद 26-27 अगस्त को नजफगढ़ में भी एक भीषण युद्ध हुआ था, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उपरोक्त युद्धों का वर्णन विद्यार्थियों की पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं किया गया, जबकि ऐतिहासिक 1857 के संग्राम को गदर के नाम से ज्यादा प्रचारित किया गया है। लेखक ने (हरियाणा के अज्ञात युद्ध) नामक अपनी पुस्तक में सभी मुद्दों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है।

सोनीपत जिले के खरखौदा कस्बे में 15 अगस्त 1857 को हुए भीष्ण युद्ध के दौरान अंग्रेज सेना से भिड़ते क्रान्तिकारी। (सांकेतिक चित्र)

खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था।

प्रकृति का चितेरा कलाकार है अमन यादव

चित्रकार | **डा. ओमप्रकाश कादयान**

जब हम बाग–बगीचों में जाते हैं तो एक से बढ़कर एक सुन्दर पेड़–पौधों, फूलों, पत्तों को देखकर आकर्षित होते हैं। यात्राओं पर जाते हैं तो पहाड़ों, जंगलों, वादियों, नदी, झरनों, झीलों, रंगीन पक्षियों को देखकर प्रफुल्लित हो जाते हैं। कुदरत का ये वो आकर्षण होता है जो सबको आकर्षित किए बिना नहीं रहता। आम आदमी ये नजारे देखकर आल्हादित हो जाता है तो एक छायाकार प्रकृति के उस सौन्दर्य को स्थाई बनाने के लिए अपने कैमरे में कैद कर लेता है। एक कवि–लेखक अपनी रचनाओं में शब्दों के माध्यम से ढालने की कोशिश करता है, तो एक कुशल चित्रकार रंगों व बुरश के माध्यम से कागज या कैनवास पर चित्रित करके प्रकृति की भांति दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

प्रकृति का चितेरा दक्ष कलाकार जब किसी भी सुंदर दृश्य को कैनवास पर बनाता है तो यथार्थ के साथ–साथ उसमें कल्पनाओं के भी रंग भरकर उसे अधिक मनोहारी बना देता है। प्रकृति की नकल करना इतना आसान नहीं है, किन्तु अनुभवी व रंगों से खेलने वाला कुशल चित्रकार ये कमाल कर देता है। हमारे ही बीच में कुछ कलाकार हैं जो चमत्कारी ढंग से प्रकृति के दिव्य दृश्यों को सजीव–से बना डालते हैं। ऐसे एक कलाकार का नाम है–अमन कुमार यादव।

रेवाड़ी जिले के मुण्डिया खेड़ा गांव में मोहनलाल यादव व सरदारी देवी के घर जन्मा अमन यादव आज कला क्षेत्र का उभरता नाम है। अमन को प्रकृति तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीणांचल से काफी लगाव है। यही कारण है कि इनके चित्रों के अधिकतर विषय भी यही हैं। युवा चित्रकार अमन के चित्रों में प्रकृति के विभिन्न रूप देखने को मिलते हैं। बहुत से चित्रों में हरी घास के मैदान, लहलहाती फसलें, चहकती–आकर्षित करती सुंदर वादियां, सदाबहार जंगल, देवदार–चीड़ अन्य पहाड़ी दरखतों, झाड़ियों, जड़ी–बूटियों से लदे पहाड़, उससे ऊपर ग्लेशियरों से ढकी चोटियां, चोटियों पर मण्डराते, उमड़ते–घुमड़ते मेघों के समूह, कुछ चित्रों में रंगीन पेड़ों की कतारें, पहाड़ों के बोलते से लगते पत्थर, कहीं बरसात का भीगा मौसम, नभ–मण्डल पर उड़ते पंछियों की कतारें, संध्याकाल में सूर्य की लालिमा दृश्यों को देती स्वर्णिम आभा, सोने के रंग में तब्दील होते ग्लेशियर, ये सब दृश्य इनके चित्रों का हिस्सा हैं। अमन ने अपने चित्रों में हवा को गति, नदियों को वेग, झरनों को संगीत देने का प्रयास किया है। अमन के कुछ चित्रों में तो इतना आकर्षण भरा है कि स्वप्न–लोक–सा लगता है। चित्रकार ने भारतीय पक्षियों की सुंदरता भी कैनवास पर चित्रित की है। इनकी पेंटिंग दर्शकों से सीधा संवाद करती प्रतीत होती हैं। युवा चित्रकार अमन यादव को प्रकृति के साथ–साथ अपनी संस्कृति, गांव–देहात, जन–जीवन, खेत–क्यार, ग्रामीण रीति–रिवाजों से भी विशेष लगाव है। इन्होंने अपने चित्रों में पनघट परम्परा, कुएं–जोहड़, काम करती, पानी भरकर लाती महिलाएं, किसान की संघर्ष गाथा को भी स्थान दिया है। इसके साथ–साथ प्राचीन कलात्मक इमारतें, मंदिर, देवी–देवताओं के चित्र बनाए हैं। हरियाणा में चौपालें, तालाब, छतरियां, कुएं, हवेलियां, किले तथा यहां की लोककला समृद्ध रही है, ये इन्होंने चित्रों के माध्यम से बताने का प्रयास किया है। ये पोट्रेट भी सुंदर बना लेते हैं। कलाकार प्रकृति, संस्कृति के चितेरे के साथ–साथ संवेदनशील प्रवृत्ति के हैं। अमन वैसे तो हर तरह के रंगों को प्रयोग दक्षता पूर्वक कर लेते हैं, पर ये अक्रैलिक ऑयल रंगों का प्रयोग अधिक करते हैं। अमन से ये पूछने पर कि पेंटिंग की शुरूआत कैसे हुई? इसके जवाब में अमन ने बताया कि शुरुआती दौर में उन्होंने गुरु अजीत सिंह तथा प्रताप सिंह रंगीला से प्रेरित होकर सजावटी प्राकृतिक तरीके से ब्रुश चलाना सीखा। फिर मैंने खूब अभ्यास किया और अच्छी पेंटिंग बनती गई। 15 जनवरी 1979 को जन्मे अमन बीएफए की पढ़ाई करने के बाद पेंटिंग करने में जुट गए। इन्होंने गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए 1391.74 लम्बी पेंटिंग की। 9 मार्च 2019 को भिवानी में आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 13–14 अप्रैल 2019 को रेवाड़ी में आयोजित राष्ट्रीय कला कार्यशाला व रैंप शो में सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार जीता। एक सितम्बर 2016 में 'आरएएस रंग आर्टस' द्वारा आयोजित गांधी आर्ट गैलरी, नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी व सह प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 24 नवम्बर 2018 को रेवाड़ी में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान' प्राप्त किया।

ये मिले पुरस्कार और सम्मान

अमन ने राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बेहतर प्रदर्शन किया। इन्हें अनेक जगह सम्मानित किया गया। गिनीज बुक्स ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड पेंटिंग-पीपल आफ मेरठ में इनका नाम शामिल किया गया। इन्हें कला निधि पुरस्कार, शोभा सिंह पुरस्कार, यादव गौरव पुरस्कार, कला रत्न पुरस्कार तथा अचीवमेंट अवार्ड सहित कई सम्मान मिले।

संत महापुरुष संपूर्ण मानव जाति की भलाई के लिए करते हैं कार्य

संत नामदेव ने बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया : कुलदीप बिश्नोई

छिंपा समाज ने पढ़ाई एवं समाज सेवा में अव्वल रहने वाले छात्रों व समाजसेवियों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

आदमपुर। नामदेव समिति के कार्यक्रम का शुभारंभ करते भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई व प्रतिभाओं को सम्मानित करते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

संत नामदेव समिति आदमपुर की ओर से रविवार को प्रतिभा सम्मान एवं मिलन समारोह तथा मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने किया। हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष सतवीर वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि संत महापुरुष किसी जाति विशेष के नहीं बल्कि संपूर्ण मानव जाति की भलाई के लिए कार्य करते हैं। संत महापुरूष हमें मिलजुल कर शांति एवं भाइचारे के साथ रहने का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि संत नामदेव ने भी हमें बुराइयों से दूर रखकर मेहनत की कमाई करने तथा मिलजुल कर रहने का संदेश दिया। हमें उनके बताए व दिखाये मार्ग पर चलना चाहिए ताकि हमारा मनुष्य जीवन सफल हो सके। इस मौके पर समारोह के अध्यक्ष सतवीर वर्मा, नामदेव सभा प्रधान सत्यनारायण एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रताप वर्मा ने कहा कि हमें संगठित होकर समाज की भलाई के लिए कार्य करते हुए समाज के कमजोर वर्ग को बीमारी, शादी, पढ़ाई तथा अन्य कार्यों में सहयोग करना चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति अपने आप को अकेला महसूस न करें। इस मौके पर समिति द्वारा आयोजित मेडिकल कैंप में डॉ. रघु बंसल एवं डॉ. पारूल गर्ग ने मरीजों की जांच की तथा दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। सुनील डाया एंड पार्टी ने अपने भजनों मे संत नामदेव की महिमा का वर्णन किया एवं गायक सुनील व अनिल ने ज्ञानवर्धक भजन गाकर सबका मनमोहन लिया।

अव्वल रहने वाले बच्चों को किया सम्मानित

समिति द्वारा 10वीं एवं 12वीं में अव्वल रहने वाले बच्चों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा संस्था की तरफ से अतिथियों व समाज सेवा में योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला प्रधान सत्नारायण वर्मा, सचिव अंबिका प्रसाद, आदमपुर थाना अध्यक्ष विकास कुमार, अध्यक्ष प्रताप मास्टर, करण सिंह पंवार, गोलू राम मिस्त्री, राजाराम पवार, अनिल कुमार, सरपंच कपिल कीचड़, सरपंच राजेश खाती, मनीराम पंवार, सुरेश पंवार, कृष्ण नंबरदार, मार्केट कमेटी के अध्यक्ष ठाकुर पंवार, पूर्व अध्यक्ष नरेश जांगड़ा, विनोद राठौड़, तरसेम गोयल, जयवीर गिल, विनोद ऐलावादी, राजाराम खीचड़, लक्ष्मण कंबोज, विनोद छिंपा, रामचंद्र, जग्गा, मेहर चंद, महेंद्र व सतबीर सरोया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नारनौंद। खांडा खेड़ी में खाप प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कैप्टन अभिमन्यु। फोटो : हरिभूमि

बाहरा खाप सर्वजातीय गणतांत्रिक परिवार ने कैप्टन अभिमन्यु की प्रशंसा की

जाट आरक्षण : युवाओं की रिहाई पर खापें प्रसन्न, जताया कैप्टन अभिमन्यु का आभार

- खाप प्रतिनिधि बोले पंचायत की मर्यादा के लिए सिंधु परिवार ने दी कुर्बानी, साजिशकर्ताओं को मिले कड़ी सजा : मास्टर चंद्रप्रकाश मिर्चपुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

जाट आरक्षण के दौरान प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के आवास पर आग लगाने के मामले में जेल में बंद युवाओं की रिहाई पर खाप प्रतिनिधियों ने प्रशंसा जताई है। उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस मामले में काफी युवा जेल के अंदर थे। कैप्टन अभिमन्यु और उनके परिजनों ने उनको माफ कर दिया था। पिछले दिनों कोर्ट ने उनको रिहा कर दिया। इसके बाद साजिशकर्ताओं का खुलासा हुआ कि इस मामले में किसका हाथ था।

इसी मामले में बाहरा खाप सर्वजातीय गणतांत्रिक परिवार की तरफ से वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु का आभार जताने के सैकड़ो लोग उनके पैतृक गांव खांडा खेड़ी में आभार जताने के पहुंचे।

बाहरा खाप सर्वजातीय गणतांत्रिक परिवार के संरक्षक मास्टर चंद्र प्रकाश ने बताया कि पूरा समाज कैप्टन अभिमन्यु के साथ है। उन्होंने समाज को जोड़ने के लिए काफी ऐतिहासिक फैसला लिया है। उन्होंने पंचायतों की मर्यादा के लिए कुर्बानी दी है। हम इसके लिए कैप्टन अभिमन्यु का धन्यवाद करते हैं। काफी युवा रास्ता भटककर गलत षड्यंत्र का शिकार बन गए थे। पदाधिकारियों ने कहा कि हम उन व्यक्तियों की घोर निंदा करते है जिन्होंने साजिश के तहत इस परिवार के खिलाफ साजिश रची। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करके दोषियों की सजा जरूर मिलनी चाहिए।

प्रधान संदीप भारती ने कहा कि जिस समय यह घटना हुई थी, उसी समय पता चल गया था कि यह साजिश के तहत षड्यंत्र रचा गया है। इस मामले में जो भी युवा जेल गए थे उनको कैप्टन अभिमन्यु के परिवार ने पहले दिन ही माफ कर दिया था। इस बात का वो चुनाव में लाभ ले सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

कुछ लोग प्रदेश को जलता हुआ देखना चाहते थे लेकिन समाज के लोगों ने कैप्टन अभिमन्यु से बातचीत की तो उन्होंने पहले दिन ही कह दिया था कि समाज का जो फैसला होगा वो उनको मंजूर होगा। पूरे मामले का निपटारा 16 जनवरी 2020 में ही जींद की धरती पर 125 खापों की मौजूदगी में हो गया था जिसमें सिंधु परिवार ने सहमति जता दी थी। अब दोबारा से फिर कुछ चीजें खुलकर सामने आई है। पूरे प्रदेश में चर्चा हो रही हैं, इस मामले में किसकी साजिश थी। उन्होंने कहा कि 22 मार्च को जींद में जो पंचायत होनी हैं उसमें पुराने सबक को लेकर आगे ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें कि भविष्य में कोई भी राजनेता या अन्य अपने राजनीति फायदे को लेकर ऐसा नुकसान ना करें जैसा कि कैप्टन अभिमन्यु के परिवार के साथ हुआ है।

हमेशा बुजुर्गों के सम्मान में सिर झुकाया : कैप्टन अभिमन्यु

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि जो खाप मान सम्मान देने के लिए आई है, उनका वे धन्यवाद करते हैं। समाज के फैसले उनके लिए हमेशा प्रेरणादायक रहेंगे। हमेशा से ही बुजुर्गों के मान सम्मान में सिर झुकाया है।

पंचायत में लिए जाएंगे फैसले : सुंदर

पेटवाड़ तपे के प्रधान सुंदर सिंह ने सतरोल खाप की तरफ से सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि खापों की मर्यादा रखने के लिए इस ऐतिहासिक फैसले की नींव पहले दिन ही रख दी गई थी। आज सभी युवा जेल से बाहर है। आगामी 22 मार्च को जींद में पंचायत होगी, उसमें कुछ फैसले लिए जाएंगे।

कैप्टन अभिमन्यु विकास पुरुष

बाहरा खाप के राखीगढ़ी निवासी कृष्ण शर्मा ने कहा कि कैप्टन अभिमन्यु विकास पुरुष है। उन्होंने हलके की सूरत बदलने का काम किया था। हमारे गांव में म्यूजियम और आईटीआई बनवाकर युवाओं को शिक्षित और रोजगार देने का काम किया। आज राखी गढ़ी में विदेशी युवक घूमने के लिए आते हैं। उनको भविष्य में पूरी मजबूती देने का काम करेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन सोनू डाटा, मार्केट कमेटी चेयरमैन शमशेर मोर, रामफल, धर्मपाल, पूर्व सरपंच राज सिंह, चेतन, धर्मपाल नाड़ा, स्वरूप सिंह, मनदीप बुडाना, जितेंद्र आदि मौजूद थे।

समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान, बराबरी और न्याय नहीं मिल जाता, तब तक मिशन अधूरा : सुनीत

हांसी। बहुजन नायक साहब कांशीराम की जयंती पर उनके संघर्ष, त्याग और सामाजिक-राजनीतिक योगदान को श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किया गया। इस अवसर पर बार कॉउन्सिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा सदस्य व कोऑर्डिनेटर, नेशनल अलायंस फॉर दलित ह्यूमन राइट्स अधिवक्ता सुनीता कलसन ने कहा कि कांशीराम का जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं था, बल्कि वह सामाजिक परिवर्तन और बहुजन जागरण का एक ऐतिहासिक आंदोलन था। उन्होंने कहा कि साहब कांशीराम ने जब समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव और अन्याय को देखा तो उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर अपना पूरा जीवन बहुजन समाज के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। सुनीता कलसन ने बताया कि ने समाज को संगठित करने के लिए सबसे पहले बामसेफ की स्थापना की, जिसका उद्देश्य शिक्षित और नौकरीपेशा बहुजन वर्ग को सामाजिक परिवर्तन के लिए तैयार करना था। इसके बाद उन्होंने बहुजन समाज में व्यापक राजनीतिक जागरूकता पैदा करने के लिए डी-एस-4 आंदोलन की शुरुआत की, जिसने देशभर में बहुजन चेतना को मजबूत किया।

जन विरोधी नीतियों के कारण लोगों के भूखा रहने तक की नौबत आई : राजेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

आम आदमी पार्टी ने देश व प्रदेश में चल रही गैस की कमी पर चिंता प्रकट करते हुए सरकार से जल्द से जल्द उचित कदम उठाकर सही मायनों में लोगों की समस्या को दूर करने की मांग की है ताकि हर व्यक्ति को कम से कम पेट की भूख मिटाने के लिये रोटी तो मिल सके। पार्टी के हांसी जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा कहा गया है कि गैस की कोई कमी नहीं है जबकि हालात उलट हैं। भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के कारण लोगों के भूखा रहने तक की नौबत आ गई है। गैस एजेंसियों पर लंबी-लंबी कतार लगी है, कालाबाजरी जोरों पर होने लगी है, घरेलू सिलेंडर 2500-3000 तक बिक रहा है, लोग एमरजेंसी में इतने रेट देने को मजबूर हैं और सरकार लोगों को पहले ही महंगाई की मार तले मार रही है। हाल में घरेलू सिलेंडर के 60 रुपये तथा कर्मिशयल सिलेंडर के 115 रुपये बढ़ा चुकी है। इसके बावजूद कर्मिशयल सिलेंडर की सप्लाई बंद कर दी गई है और गैस एजेंसियों के बाहर महिलाएं, बुजुर्ग, दिव्यांग और यहां तक कि बच्चे भी घंटों धूप में लाइन में लगने के बाद भी बिना सिलेंडर खाली हाथ लौट रहे हैं।

राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि कर्मिशयल सिलेंडर न मिलने से शादी-विवाह में भारी परेशानी आ रही है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई रोकने से प्रदेश में अनेकों उद्योग, होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट बंद हो गए हैं।

मार्शल आर्ट : केएल आर्य डीएवी स्कूल व श्री देवी भवन स्कूल के विद्यार्थियों ने हासिल की ब्लैक बेल्ट

हिसार। सेल्फ डिफेंस स्पोर्ट्स सोसायटी की ओर से आयोजित सेल्फ डिफेंस बेल्ट टेस्ट में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस विशेष परीक्षण में शहर के प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया, जिसमें उनके तकनीकी कौशल और शारीरिक क्षमता का कड़ा आकलन किया गया। सोसायटी के संस्थापक और प्रसिद्ध सेल्फ डिफेंस कोच रोहतास कुमार की देखरेख में आयोजित इस टेस्ट में केएल आर्य डीएवी स्कूल व श्री देवी भवन स्कूल के विद्यार्थियों ने ब्लैक बेल्ट प्राप्त की। ब्लैक बेल्ट परीक्षा में केएल आर्य स्कूल से अनुष्का व काफी एवं श्री देवी भवन स्कूल के दीपांशु ठाकुर व विशाल वर्मा ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करके सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की उपलब्धि पर केएल आर्य डीएवी स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. चंद्र प्रकाश और श्री देवी भवन स्कूल प्रबंधन ने खुशी जाहिर की। सेल्फ डिफेंस स्पोर्ट्स सोसायटी के सदस्य संदीप कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रधानाचार्यों ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अनुशासन और कड़ी मेहनत ही सफलता की असली कुंजी है। सेल्फ डिफेंस न केवल आपको शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है बल्कि आत्मविश्वास और आत्मरक्षा के गुण भी सिखाता है।

राह-वीर योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वालों को मिलेगा सम्मान :

हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा है कि भारत सरकार ने राह-वीर योजना के तहत ऐसे नेक व्यक्तियों को सम्मानित करने का निर्णया लिया है, जो सड़क दुर्घटना के पीड़ित को समय रहते अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि यह योजना केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य सड़क दुर्घटना के दौरान घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर (दुर्घटना के बाद का पहला 60 मिनट) के भीतर अस्पताल पहुंचाने के लिए आमजन को प्रोत्साहित करना है, ताकि समय पर इलाज मिलने से अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके। उन्होंने बताया कि योजना के तहत यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाने या उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाता है तो उसे राह-वीर के रूप में सम्मानित किया जाता है। ऐसे व्यक्ति को सरकार की ओर से नकद पुरस्कार तथा प्रशंसा प्रमाण पत्र दिया जाता है। यह सम्मान जिला स्तर पर प्रशासन व पुलिस विभाग की अनुशंसा के आधार पर प्रदान किया जाता है।

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि अक्सर लोग कानूनी झंझट या पूछताछ के डर से दुर्घटना पीड़ित की मदद करने से कतराते हैं, जबकि गुड सेमेरिटन कानून के तहत ऐसे मददगार व्यक्तियों को पूर्ण कानूनी संरक्षण दिया गया है। दुर्घटना पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति से पुलिस या अस्पताल द्वारा अनावश्यक पूछताछ नहीं की जाती और उसकी पहचान भी गोपनीय रखी जा सकती है।

चालक को झूठे केस में फंसाने का प्रयास करने पर दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राज्य परिवहन के हिसार डिपो की यूनियनों ने तीन माह बाद जांच के नाम पर रोडवेज चालक पर दुर्घटना का केस दर्ज करने के प्रयासों की निंदा की है। यूनियनों ने चेताया है कि यदि रोडवेज चालक को दुर्घटना के केस में झूठा फंसाया गया तो वे आंदोलन से गुरेज नहीं करेंगी। इस संबंध में हिसार डिपो की यूनियनों के प्रधानों की संयुक्त बैठक हुई। इसमें कहा गया कि पिछले वर्ष 14 दिसंबर को सदर क्षेत्र में किसी अज्ञात वाहन व मोटरसाकिल के बीच हुई टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस संबंध में एक जनवरी 2026 को हिसार डिपो के चालक के पास सदर थाना से टेलीफोन आया और एक्सीडेंट बारे में पूछताछ की। रोडवेज चालक ने सदर थाना में जाकर अपना पक्ष रखते हुए बताया कि उक्त आरोप सरासर मिथ्या, झूठ व बेबुनियाद है। दुर्घटना से हरियाणा राज्य परिवहन की बस या चालक से किसी भी प्रकार का संबंध नहीं है। इसके बावजूद पुलिस द्वारा हरियाणा राज्य परिवहन की बस व चालक पर झूठा आरोप लगाकर हरियाणा राज्य परिवहन की निर्मल साख व कर्मचारी के खिलाफ झूठा मुकदमा बनाकर उसे फंसाने का प्रयत्न किया जा रहा है, जो निंदनीय व अमानवीय कृत्य हैं। रोडवेज यूनियनों ने बैठक में पुलिस के इन प्रयासों की निंदा की और कहा कि किसी भी कीमत पर हरियाणा राज्य परिवहन की साख व किसी निर्दोष कर्मचारियों के करियर के साथ खिलवाड़ सहन नहीं किया जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सीखे संगठन के गुण, दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

उकलाना। भारतीय जनता पार्टी उकलाना मंडल की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत दो दिवसीय मंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन लोटस इंटरनेशनल स्कूल में किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण शिविर के दौरान कुल आठ सत्र आयोजित किए गए। पहले दिन छह सत्रों में संगठन की विचारधारा, कार्य पद्धति, पार्टी का इतिहास, संगठन विस्तार तथा केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण शिविर के पहले सत्र में जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार और पार्टी की विचारधारा के बारे में मार्गदर्शन दिया। इसके बाद दूसरे सत्र में श्रीनिवास गोयल ने वैचारिक अधिष्ठान विषय पर अपने विचार रखे। अन्य सत्रों में संजीव रेवड़ी, मनदीप मलिक, अनूप धानक, पियूष मेहता तथा रामफल नैन ने अपने-अपने विषयों पर विस्तार से वक्तव्य देते हुए कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक कार्यों की जानकारी दी। दूसरे दिन कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः योगाभ्यास से हुई, जिसका संचालन योग शिक्षक वीर सिंह जाखड़ ने किया। इसके पश्चात दो और सत्र आयोजित किए गए, जिसके साथ ही प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर में उकलाना में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, उकलाना मंडल की पूरी कार्यकारिणी, शक्तिकेंद्र प्रमुख, बूथ अध्यक्ष और बीएलए-2 सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

स्कॉलरशिप टेस्ट, 250 विद्यार्थियों ने लिया भाग

उकलाना। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, में जेईई, नीट व एनडीए जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में आसपास के विभिन्न गांवों और स्कूलों से करीब 250 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया गया। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखने को मिला। स्कॉलरशिप टेस्ट से विद्यार्थियों को अपनी क्षमता को परखने का अवसर मिलता है और आगे की तैयारी के लिए सही दिशा भी प्राप्त होती है। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल उकलाना के चेयरमैन डॉ. सतीश भारती ने बताया कि इस तरह की पहल से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप के माध्यम से डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी केएल ग्रोवर ने की, संचालन कंवल सलूजा ने किया

रिटायर्ड कमिश्नर अशोक गर्ग का किया सम्मान

- जीवन को सार्थक बनाने के लिए जनता हित में ईमानदारी व इंसानियत से कार्य किए जाने चाहिए : अशोक कुमार गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

बाबा बंदा बहादुर कम्युनिटी सेंटर में अखिल भारतीय मनरेगा सहयोग मंच व जन संगठनों की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में रिटायर्ड कमिश्नर अशोक गर्ग को उनके सेवा काल में उत्कृष्ट एवं इमानदारी से किए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी केएल ग्रोवर ने की जबकि मंच संचालन कंवल सलूजा ने किया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय मनरेगा सहयोग मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम अवतार सुलचानी ने रिटायर्ड कमिश्नर गर्ग द्वारा सफाई कर्मचारियों पर लिखी गई पुस्तक जहर जो हमने पिया व मनरेगा कार्य की पैमाइश पुस्तिका की सहराना की। समारोह को संबोधित करते हुए रिटायर्ड कमिश्नर अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि हमें अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए जनता हित में ईमानदारी व इंसानियत से कार्य किए जाने चाहिए। ऐसा करना किसी भी अधिकारी व मानवता के नाते बहुत जरूरी है।

इस अवसर एसडीएम राजेश कोथ ने कहा कि कमिश्नर अशोक कुमार गर्ग द्वारा अपने कार्य काल किए गए कार्यों से आज भी लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा जनता के हित में कार्य किए जाने चाहिए।

हांसी। रिटायर्ड कमिश्नर अशोक कुमार गर्ग को सम्मानित करते सामाजिक संगठनों के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नप वाइस चेयरमैन अनिल बंसल, ओपी मेहरा, आशीष प्रजापति, विनोद कालिया सुनील मजोका, अक्षय कुमार, अरुण कुमार, डॉ. अभेराम, कैप्टन चांद सिंह, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, प्रधान रामलाल न्योलिया, मंगतराम, फतेह सिंह गुर्जर, किशोरी लाल नागपाल, आशा खन्ना, संतलाल, जिला बनाओ संघर्ष समिति, सुबे सिंह, लाजपत राय जैन, राजकुमार प्रधान वाल्मीकि समाज, जयकुमार मास्टर रामचंद्राचार्य, कश्मीरी लाल मनचंदा, अशोक कुमार प्रेम नगर, धर्म सिंह सेक्रेटरी, जिला प्रधान बलराज मायड़, हांसी जिला प्रधान कृष्ण कुमार, सचिन जोगिंदर उमरा गढ़ी गांव प्रधान रोहतास, रामनारायण, जगबीर संदीप कुमार, अनाज मंडी मजदूर यूनियन प्रधान संतलाल, उम्मीद फाउंडेशन महादेव राजकुमार जांगड़ा, पूर्व पार्षद अजमेर खांडा आदि सहित काफी संख्या में गणमान्य मौजूद थे।

खबर कोना

पूर्व प्रधान जेसी सर्वेश सैनी बने जोन -10 के वाइस चेयरमैन

हांसी। शहर के सामाजिक संगठन जेसीआई फोर्ट हांसी के लिए गर्व और खुशी का अवसर है कि संगठन के पूर्व प्रधान जेसी सर्वेश सैनी को जेसीआई एल्युमनी क्लब इंडिया द्वारा जोन-10 का वाइस चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति से हांसी सहित पूरे क्षेत्र के जेसीआई सदस्यों में उत्साह का माहौल है। नियुक्ति के उपरांत जेसी सर्वेश सैनी ने 13 व 14 मार्च को द रिट्रीट होटल एंड कंवरनेशैन मुंबई में आयोजित जेएसी एडमिनिस्ट्रेटिव सेमिनार में भाग लिया। इस अवसर पर जेसीआई एल्युमनी क्लब इंडिया की राष्ट्रीय बैठक भी संपन्न हुई, जिसमें देशभर से जेसीआई एलुमनाई सदस्य और पदाधिकारी शामिल हुए। सेमिनार के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों, प्रशासनिक कार्यप्रणाली और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

माता हिंगलाज मंदिर में लगा भंडारा, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

उकलाना। सनियाना गांव स्थित कुलदेवी माता हिंगलाज मंदिर में रविवार को पूजा-अर्चना के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और माता का आशीर्वाद लिया। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। भक्तों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर माता हिंगलाज के चरणों में माथा टेका और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद दोपहर के समय भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर कमेटी के सदस्यों ने बताया कि मंदिर में प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस दौरान आसपास के गांवों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचते हैं और माता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। माता हिंगलाज को हिंदू धर्म में शक्ति का स्वरूप माना जाता है।

रक्तदान करके दूसरों की जिंदगी बचाने का करें काम

नारनौंद। युवा विकास समिति जींद की ओर से गांव उगालन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट सुशील खरब ने शिरकत की। एडवोकेट सुशील ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को रक्तदान जरूर करना चाहिए क्योंकि किसी भी समय अगर किसी व्यक्ति को रक्त की जरूरत पड़े तो उसको आसानी से उपलब्ध हो जाए। वह किसी दूसरे की जिंदगी बचा सकता है। र उन्होंने कहा कि इंसान के शरीर में काफी बीमारियां आ जाती हैं जिसके कारण उसको रक्त की जरूरत होती है। प्रदेश में ऐसी संस्थाएं हैं जो फ्री में लोगों को खून उपलब्ध करवा रही है। इसलिए व्यक्ति को अपना खून दान कर देना चाहिए ताकि भविष्य में वह किसी की जिंदगी बचा सके।

खबर संक्षेप

12 घंटे काबू किया चोरी करने वाला युवक

नारनौंद। क्षेत्र के गांव सुलचानी में एक किरयाना की दुकान से रात के अंधेरे में अज्ञात चोरों ने खिड़की तोड़कर गल्ले से हजारों रुपए चोरी करने के मामले में पुलिस ने चोरी करने वाले युवक को मात्र 12 घंटे के भीतर काबू कर लिया। थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि 15 मार्च को सूचना प्राप्त हुई कि गांव सुलचानी में दो दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात की गई है। सूचना मिलते ही थाना नारनौंद पुलिस द्वारा तुरंत टीमों का गठन कर मामले की गहन जांच शुरू की गई। सुलचानी निवासी विनोद ने पुलिस को दी गई।

दुर्गा मंदिर में लगाया रक्तदान शिविर

बरवाला। रोटरी क्लब शाखा बरवाला द्वारा दुर्गा मंदिर के प्रांगण में रक्तदान शिविर लगाया गया। प्रधान एवं सेवानिवृत्त प्रिंसिपल ओमप्रकाश वधवा ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में लगभग 90 रक्तदाताओं ने अपनी रक्तदान किया। इस रक्तदान शिविर में रोटरी क्लब के डिप्टी गवर्नर विक्की रहेजा और शाखा बरवाला के कोषाध्यक्ष अमन मेहता व पूर्व प्रधान कृष्ण पिलानी ने रक्तदान किया तथा इंटरनेशनल अवार्डी महेंद्र सेतिया ने भी 119 वीं बार रक्तदान करके सराहनीय कार्य किया।

मां दधिमथी धाम में श्रीमद् देवी भागवत कथा 19 से

आदमपुर। आदमपुर-अग्रोहा मार्ग पर बिजली घर के नजदीक स्थित मां दधिमथी धाम में 19 मार्च से श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए हरभगवान शर्मा ने बताया कि कथा शुभारंभ से पूर्व 19 मार्च को सुबह सवा 10 बजे गुरु जम्भेश्वर मंदिर से माता के दरबार तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। मंदिर प्रांगण में 19 मार्च से 25 मार्च तक चलने वाली कथा में प्रतिदिन दोपहर सवा 12 बजे से शुरू होगी।

रामकुमार बने आदमपुर ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष

आदमपुर। आदमपुर की ब्राह्मण धर्मशाला में रविवार को ब्राह्मण सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें रामकुमार जगाण वाले को ब्राह्मण सभा का अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा हरभगवान शर्मा को उपप्रधान, सुरेश शर्मा को महासचिव, मुन्ना उर्फ टेकचंद को सचिव, विनोद कुमार दड़ौली को कोषाध्यक्ष तथा अनिल शर्मा को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

गो सेवा से जीवन में आती सुख मिलता

आदमपुर। गांव कोहली स्थित श्रीकृष्ण नंदी गोशाला में चल रही श्रीमद्भागवत गो कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा वाचक आचार्य दिनेशानंद महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और गो सेवा के महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि गो सेवा से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। आचार्य दिनेशानंद महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को धर्म, भक्ति और सत्कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

सीडीओई के अंतर्गत संचालित सभी कार्यक्रम नियमित पाठ्यक्रमों के समकक्ष मान्यता प्राप्त

गुजवि में दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई) के शीतकालीन सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी: प्रो. नरसी राम

- अकादमिक मार्गदर्शन और अन्य शैक्षणिक सहायता उपलब्ध करवा रही
- विधार्थियों को मिल रहा लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई) के शीतकालीन सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) तथा ऑनलाइन कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सीडीओई के अंतर्गत संचालित सभी कार्यक्रम नियमित पाठ्यक्रमों के समकक्ष मान्यता प्राप्त हैं तथा दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (डीईबी) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से विधिवत स्वीकृत हैं। इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त और मान्यता प्राप्त शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि वर्तमान समय में दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा उच्च शिक्षा के दायरे को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि गुजविप्रौवि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, किफायती और रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीडीओई के माध्यम से ऐसे विद्यार्थियों को भी उच्च शिक्षा से जोड़ा जा रहा है, जो किसी कारणवश नियमित रूप से विश्वविद्यालय में आकर अध्ययन नहीं कर सकते।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

डिजिटल अध्ययन सामग्री

विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सभी पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑडियो, वीडियो और पीडीएफ फॉर्मेट में डिजिटल रूप में उपलब्ध करवाई जा रही है। इससे विद्यार्थी किसी भी समय और स्थान से अध्ययन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए समय पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। प्रवेश की अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित की गई है।

उपलब्ध स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम

सीडीओई के अंतर्गत विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। स्नातक (यूजी) कार्यक्रमों में बीए, बीए (मास कम्युनिकेशन) व बी.कॉम शामिल हैं। स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों में एमए मास कम्युनिकेशन, एमए मास कम्युनिकेशन (लेटरल एंट्री), एमबीए, एमकॉम, एमसीए, एमए हिंदी, एमए अंग्रेजी, एमएससी गणित शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सीडीओई द्वारा छह माह से एक वर्ष अवधि के 13 डिप्लोमा कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही विद्यार्थियों के कौशल विकास को ध्यान में रखते हुए तीन से चार माह अवधि के 32 सर्टिफिकेट कोर्स भी उपलब्ध कराए गए हैं।

अध्ययन केंद्र एवं परीक्षा केंद्र की सुविधा

विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने हरियाणा के विभिन्न जिलों में 30 से अधिक अध्ययन केंद्र (स्टडी सेंटर) स्थापित किए हैं, जहां प्रवेश, अकादमिक मार्गदर्शन और अन्य शैक्षणिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को परीक्षा देने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए हरियाणा के लगभग प्रत्येक जिले में परीक्षा केंद्र (परीक्षा केंद्र) भी निर्धारित किए गए हैं।

प्रत्यक्ष संवाद प्रणाली

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के निदेशक प्रो. खुजान सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक और प्रशासनिक सहायता के लिए एक प्रत्यक्ष संवाद प्रणाली (डायरेक्ट कम्युनिकेशन सिस्टम) विकसित की गई है। इसके माध्यम से नामांकित विद्यार्थियों से टेलीफोन, व्हाट्सएप तथा ई-मेल के माध्यम से नियमित संपर्क बनाए रखा जाता है, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

पर्सनल कॉन्टैक्ट प्रोग्राम एवं मॉनिटरिंग सत्र

प्रो. खुजान सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर पर्सनल कॉन्टैक्ट प्रोग्राम (पीसीपी) आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विषय विशेषज्ञ अध्यापक ऑनलाइन माध्यम से कक्षाएं लेकर महत्वपूर्ण विषयों की व्याख्या करते हैं। इसके अतिरिक्त मॉनिटरिंग सत्र भी आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विशेषज्ञ शिक्षक विद्यार्थियों की शैक्षणिक तथा प्रशासनिक समस्याओं का समाधान करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए प्रधानमंत्री फेलोशिप योजना के अंतर्गत फीस का पूर्ण वहन सरकार द्वारा किया जाता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलती है। उन्होंने जानकारी दी कि सीडीओई के ऑनलाइन कार्यक्रमों में वर्तमान में 400 से अधिक विदेशी विद्यार्थी भी नामांकित हैं, जो विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

किफायती फीस एवं वन-टाइम फीस सिस्टम

सीडीओई द्वारा संचालित कार्यक्रमों की फीस संरचना अन्य निजी विश्वविद्यालयों की तुलना में काफी किफायती रखी गई है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने वन-टाइम फीस सिस्टम लागू किया है, जिसके अंतर्गत परीक्षा, प्रोजेक्ट, प्रैक्टिकल, असाइनमेंट आदि के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाता।

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

- श्री गंगा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में मिला प्लेसमेंट, 23 विद्यार्थियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से श्री गंगा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के ई-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग कार्यक्रम के पांच विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला है। भर्ती प्रक्रिया के दौरान, श्री गंगा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के सहायक प्रबंधक अंकित बंसल और प्रबंधक सुचित अग्रवाल ने एक इंटरैक्टिव प्री-प्लेसमेंट सत्र का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों को संगठन की कार्य संस्कृति, परिचालन क्षेत्रों और परियोजना-उन्मुख वातावरण के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी गई। इस सत्र में गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और निरंतर तकनीकी प्रगति के प्रति कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला गया।

23 विद्यार्थी हुए शामिल

चयन प्रक्रिया के बारे में विवरण देते हुए, प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में 23 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें एक प्री-प्लेसमेंट प्रस्तुति और उसके बाद व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल रहे। उन्होंने गुजविप्रौवि के साथ निरंतर सहयोग के लिए श्री गंगा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की एचआर टीम के प्रति आभार व्यक्त किया और संकाय सदस्यों तथा विभागीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट समन्वयकों द्वारा दिए गए सहयोग व मार्गदर्शन की सराहना की।

ये हैं चयनित विद्यार्थी

प्लेसमेंट के सहायक निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थी बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के सनी दयोल, अजय, यतेंद्र, सोमबीर व अजीत हैं। प्लेसमेंट ड्राइव का समन्वय बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थी सूरज ने किया।

कुलपति ने दी बधाई

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी तथा उनकी सफलता पर गर्व व्यक्त किया।

मेयर ने किया सीनियर सिटीजंस से संवाद

- वानप्रस्थ ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग, कम्पोस्टिंग और बुजुर्गों की केयर गिविंग क्षेत्रों में ह्यूमन रिसोर्स तैयार करने का प्रस्ताव रखा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

मेयर प्रवीण पोपली ने वानप्रस्थ की बैठक में भाग लेकर सीनियर सिटीजंस से संवाद किया। उनके साथ पार्षद संजय डालमिया और पार्षद प्रतिनिधि अंकुर यादव भी मौजूद रहे। संस्था का परिचय देते हुए डॉ. सतीश कालड़ा ने कचरा प्रबंधन और रैन वाटर हार्वेस्टिंग इश्यूज पर किए गए कामों के अनुभव साझा किए और बुजुर्गों की सेहत और देखभाल और केयर समेत सभी इश्यूज पर प्रकाशित पुस्तकों के सेट आतिथियों को भेंट किए। डॉ. अमृत खुराना ने अकेले रह गए बुजुर्गों के लिए डिग्निटी होम्स की ज़रूरत का इशू भी जोड़ा और बताया की वानप्रस्थ डिग्निटी ट्रस्ट कई सालों से ज़रूरतमंद बुजुर्गों के लिए व्हील चेयर और बेड्स जसे उपकरण निशुल्क प्रदान कर रहा है। वित्त सचिव प्रो. हरीश जुनेजा ने मेयर का स्वागत किया। हिसार में सीएमओ रही डॉ. रतना भारती ने कैमरी गांव में उनके द्वारा स्थापित की जा रही कैंसर रोगियों के लिए निशुल्क पेलीयेटिव केयर सुविधा के बारे में बताते हुए मेयर के साथ कोरोना काल में किए गए निजी अनुभव सांझा किए। अजीत सेठी ने मॉडल टाउन में सेठी पार्क के लिए और कमला सैनी ने अर्बन इस्टेट के प्लाट में कचरा साफ़ कर पार्क बनाने का कार्यों का हवाला देते हुए निगम से मिलने वाले सहयोग में आने वाली दिक्कतों का उल्लेख किया।

हिसार। सीनियर सिटीजंस से मिलते मेयर। फोटो : हरिभूमि

गुजवी को मिल रही अंतरराष्ट्रीय पहचान

- एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग ने आयोजित की एलुमनाई मीट

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि विश्वविद्यालय को मिली उच्च रैंकिंग तथा अंतरराष्ट्रीय पहचान में विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का भी योगदान है। गुजविप्रौवि के विद्यार्थी पूरी दुनिया में अपनी सेवाएं देकर राष्ट्र को गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रो. नरसी राम बिश्नोई रविवार को विश्वविद्यालय के एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग की ओर से आयोजित एलुमनाई मीट को मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कुलसचिव डॉ. विजय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डीन एलुमनाई प्रो. कर्मपाल ने भी एलुमनाई मीट में शिरकत की। कुलपति प्रो. नरसीराम ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह खुशी की बात है कि हमारे पूर्व विद्यार्थी अपने विश्वविद्यालय के साथ न केवल नियमित रूप से जुड़े रहते हैं, बल्कि समय-समय पर अपना बहुमुल्य योगदान भी देते हैं। उन्होंने पूर्व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि समय-समय पर विश्वविद्यालय में आकर अपने अनुभव साझा करते रहें, ताकि नए विद्यार्थियों को इसका फायदा हो सके। उन्होंने साइकोलॉजी विभाग की उपलब्धियों की सराहना की तथा समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा क्लीनिकल साइकोलॉजी विभाग की स्थापना भी की जाएगी। प्रो. कर्मपाल नरवाल ने एलुमनाई एसोसिएशन को मजबूत करने की सलाह दी तथा वर्तमान विद्यार्थियों को पूर्व विद्यार्थियों के अनुभवों और ज्ञान से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

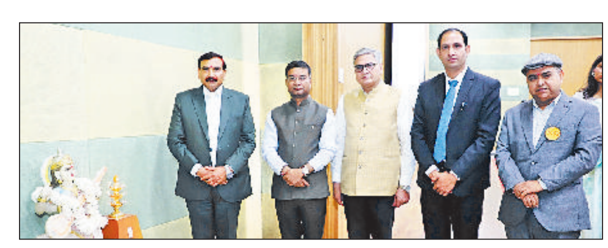
हिसार। एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग की एलुमनी मीट का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई। फोटो : हरिभूमि

योगदान को सराहा

कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने कहा कि संस्थान और पूर्व विद्यार्थियों के बीच हमेशा एक मधुर रिश्ता रहना चाहिए। पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों के आधार पर ही समाज व राष्ट्र किसी संस्थान की गुणवत्ता को निर्धारित करता है। ऐसे में पूर्व विद्यार्थियों को संस्थान के विकास में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भी अग्रणी योगदान होता है।

'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने ग्रीन बेल्ट में पेड़ों की देखभाल कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सामाजिक संस्था हमारा प्यार हिसार के सदस्यों ने रविवार को इंडसट्रियल एरिया में देहली रोड के पास स्थित ग्रीन बेल्ट में पेड़ों की देखभाल की और सफाई अभियान चलाया। इस दौरान सदस्यों ने पहले लगाए गए पौधों की निराई-गुड़ाई की। सभी पेड़ अच्छी स्थिति में थे।

उल्लेखनीय है कि हमारा प्यार हिसार पिछले कई वर्षों से इस ग्रीन बेल्ट के रख-रखाव की जिम्मेदारी निभा रहा है और समय-समय पर यहां सफाई व पौधों की देखभाल का कार्य करता है। अभियान के दौरान ग्रुप के सदस्यों ने वहां रखी बैठने के बैंचों को भी ठीक किया तथा झुके हुए पेड़ों की टहनियों की छंटाई की।

अभियान में डॉ. सुरेंद्र गर्ग, डॉ. एमएस मलिक, आदेश मलिक, राजेंद्र गहलोत, डॉ. विजय कादयान, दिनेश बंसल, युद्धबीर पानू, मनदीप पूनिया, ईशा, अनिल कुमार, रीमा सरदाना, रावी अग्रवाल, लविश, तन्वी और भव्या शामिल हुए।

हिसार। पेड़ों की टहनिया ठीक करते संस्था के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

भारत माता मंदिर में लगाया शिविर

हिसार। शहर के वार्ड 13 के एमसी कॉलोनी में स्थित भारत माता मंदिर में वार्ड के वार्डवासियों की समस्याओं के निदान के लिए शिविर लगाया गया।

पार्षद संजय डालमिया की अध्यक्षता में लगाए गए शिविर में मुख्य समस्याएं वृद्धा अवस्था पेंशन के सत्यापन की समस्या, विधवा पेंशन सत्यापन की समस्या, दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों को सत्यापन की समस्या रही। उक्त समस्या के समाधान को लेकर नगर निगम से अधिकारी मौजूद रहे। निवासियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी। पार्षद संजय डालमिया ने बताया की शिविर में आई सभी समस्याओं का पूर्व की भांति शीघ्र निदान होगा।

भीम आर्मी ने मनाई कांशीराम जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

भीम आर्मी, भारत एकता मिशन की ओर से शहर के राम नगर में साहब कांशीराम की जयंती एवं आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के छठे स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भीम आर्मी नेता एडवोकेट संतलाल अंबेडकर ने कहा कि साहब कांशीराम ने समाज के वंचित और शोषित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि कांशीराम को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए।

हिसार। साहब कांशीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित करते पदाधिकारी व सदस्य।

महापुरुषों के विचारों पर प्रकाश डाला

कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने महापुरुषों के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें समानता, भाईचारा और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित 21वीं सदी का नया भारत बनाना है। डॉ. सुरेश छाछिया व रिसपाल सिंह के संचालन में हुए कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष गोल्डी वाल्मीकि, प्रदेश महासचिव संतलाल अंबेडकर, प्रदेश सचिव शेखर रंगा, वेदप्रकाश चित्रकार, सिकंदर चित्रकार, जिला अध्यक्ष प्रदीप यादव, वरिष्ठ नेता रिसपाल, भीम आर्मी जिला उपाध्यक्ष डॉ. सुधीर सातरोड, वरिष्ठ नेता बलवान सिंह इंदौरा, मास्टर धूप सिंह, नवीन बंटी, सन्नी, राहुल, हिमांशु, प्रांशु, हिमांशु चोपड़ा के अलावा भीम आर्मी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

व्यवहार में धारण करने से होगा संस्कृत का पूर्ण रूप से प्रचार-प्रसार : प्रमोद

- गुरुकुल कुम्भाखेड़ा में संस्कृत भारती के दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर में पहुंचे प्रांत मंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरुकुल कुम्भाखेड़ा में संस्कृत भारती की ओर से दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 20 मार्च तक चलने वाले इस आवासीय प्रबोधन वर्ग में 80 से अधिक प्रशिक्षु भाग ले रहे हैं। संस्कृत भारती के विभाग संयोजक डॉ. शैलेंद्र सिंह ने बताया कि उद्घाटन समारोह में समाजसेवी रणधीर सिंह धीरु के साथ साथ आत्मोन्नति केंद्र भडताना (जींद) के आचार्य आशीष, गुरुकुल कालवा के आचार्य राजेन्द्र, खंड शिक्षा अधिकारी जिलेसिंह, गुरुकुल कुम्भाखेड़ा के संचालक आत्मप्रकाश के साथ स्वामी दीप्तानंद अवधूत आश्रम खरड़ अलीपुर के स्वामी जितेन्द्रानन्द महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। शिविर में वर्गाधिकारी धीरेन्द्र कुमार शास्त्री, वर्ग प्रशिक्षण प्रमुख ऋषिरंजन, सह प्रशिक्षणप्रमुख देवांशकृष्ण है। शिक्षक के रूप में सुनील शास्त्री, मनीष शास्त्री, विजयपाल शास्त्री, बंटी शास्त्री,विस्तारक अंकित, नीरज आदि शिरकत कर रहे हैं। इस अवसर पर गुरुकुल विद्यापीठ कुम्भाखेड़ा के संरक्षक आचार्य आत्मप्रकाश, आचार्य धीरेन्द्र, विपिन आर्य, पवित्र आर्य, यज्ञवीर आर्य आदि रहे।

हिसार। कार्यक्रम में पहुंचने पर अतिथियों का स्वागत करते गुरुकुल पदाधिकारी।

समर्थगुरु धारा संघ के तत्वावधान में रविवार को संडे ध्यान में सीखीं योग क्रियाएं

अनंत ऊर्जा से जुड़ने का मार्ग ब्रह्मनाद ध्यान: आचार्य बसंत

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

समर्थगुरु धारा संघ के तत्वावधान में रविवार को आयोजित संडे ध्यान कार्यक्रम में आचार्य बसंत के सानिध्य में ब्रह्मनाद ध्यान हुआ। कार्यक्रम में अनेक साधकों ने भाग लिया और गहन शांति व आत्मिक अनुभूति का अनुभव किया। ध्यान सत्र के दौरान साधकों ने मन, शरीर और आत्मा की गहराई में जाकर गहन शांति, ऊर्जा और आत्मिक जुड़ाव का अनुभव किया। ब्रह्मनाद ध्यान से साधकों को अंतर्मन की ध्वनि और आत्मिक शक्ति का साक्षात्कार कराया गया। आचार्य बसंत ने साधकों को बताया कि ब्रह्मनाद ध्यान से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और साधक अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। आचार्य ने बताया कि ध्यान के प्रकार और तकनीकें विभिन्न हो सकती हैं और यह आध्यात्मिक गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक के मार्गदर्शन में किया जाता है। ध्यान के बाद कार्यक्रम के समापन पर समर्थगुरु धारा संघ के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य सुभाष ने आज के सत्र के आचार्य बसंत का आभार व्यक्त किया एवं उपस्थित सभी साधकों को आगामी ध्यान सत्रों की जानकारी भी प्रदान की। हमारे जीवन में ध्यान के महत्व पर विस्तार से बताते हुए समर्थगुरुधारा संघ के कार्यक्रमों के बारे चर्चा की।

हिसार। ध्यान केंद्र में साधना करते पहुंचे साधक। फोटो :हरिभूमि

ओशो ध्यान उपवन ध्यान के महत्व को समझाया

हिसार। पूर्ण जागरूकता व ध्यान का महत्व समझाने के लिए ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और ध्यान की विभिन्न विधियों को समझा। ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय व मां सांची ने ध्यान विधियों का अभ्यास करवाया और उन्हें दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर साधकों के साथ 22 मार्च के ओशो संबोधि दिवस उत्सव की जानकारी भी साझा की गई। स्वामी संजय ने साधकों को अधिक से अधिक संख्या में इस उत्सव में शिरकत करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 22 मार्च को सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में प्रातः 8 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक ओशो संबोधि दिवस मनाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सत्र रहेंगे और दोपहर को लंगर प्रसाद का वितरण किया जाएगा।